एक नजर में

कृषक भ्रमण दल राजस्थान के लिए रवाना

शाजापुर, 9 नवंबर. मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन योजनान्तर्गत राज्य से बाहर 10 सदस्यीय कृषक भ्रमण दल को विधायक अरुण भीमावद द्वारा हरी झंडी दिखाकर राजस्थान के लिए रवाना किया गया. यह दल कोटा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, मंदसौर में कृषि संस्थानों में जाकर मोटा अनाज एवं अन्य नवीन कृषि तकनीकि का अध्ययन करेगा. इस अवसर पर विजय गामी, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी विकास खंड शाजापुर प्रेम नारायण कृषि विस्तार अधिकारी, आशुतोष साहू कृषि विस्तार अधिकारी एवं कृषक उपस्थित रहे. भ्रमण दल प्रभारी के रूप में कमल सिंह, कृषि विस्तार अधिकारी एवं सहयोगी के रूप भारत सिंह कृषि विस्तार अधिकारी दल के साथ रवाना हुए.

अब हर विवाह का होगा पंजीयन

शाजापुर, 9 नवंबर. देवउठनी एकादशी के साथ ही विवाहों का सिलसिला प्रारंभ हो गया है. विवाहों के शत-प्रतिशत पंजीयन के लिए प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए गए हैं. यह योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की एक सराहनीय पहल है. इससे विवाहों का शत-प्रतिशत पंजीयन हो सकेगा, जिससे भविष्य में दंपत्ति को कानूनी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा. उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश विवाह रजिस्ट्रेशन नियम 2008 के अनुसार राज्य के भीतर भारत के नागरिकों के बीच किसी भी विधि या रुढ़ि के अधीन सत्यापित किए गए विवाह का पंजीयन किया जाता है. विवाहों का पंजीयन नहीं होने पर विशेष तौर पर महिलाओं को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है. पति की मृत्यु के बाद उनको मिलने वाले स्वत्वों के भुगतान आदि में परेशानी होती है. आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी विकास मिश्रा ने बताया कि विवाह पंजीयन के लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करने हेतु प्रदेश के समस्त कलेक्टरों का ध्यान आकृष्ट किया गया है. जिलों में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री निकाह योजना एवं अन्य सामूहिक विवाहों में कार्यक्रम स्थल पर ही विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने का सुझाव दिया गया है. आयुक्त ने सामूहिक विवाह कराने वाली सभी संस्थाओं से जागरूकता बढ़ाने मुहिम में बढ़-चढकर हिस्सा लेने की अपील की है. स्थानीय निकायों, सार्वजनिक स्थलों, शादी हॉल और मैरिज गार्डन में अनिवार्य रूप से विवाह पंजीयन करवाने संबंधी होर्डिंग लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं.

299 बोरी बंधान एवं 91 स्टॉप डेमो के गेट लगाए

शाजापुर, 9 नवंबर. कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायतों में वर्षा के जल संचय के लिए चलाए जा रहे अभियान में 9 नवंबर तक जिले में 299 बोरी बंधान बनवाकर 91 स्टॉप डेमो के गेट लगाने का कार्य संपन्न हुआ है. प्राप्त जानकारी के अनुसार कालापीपल जनपद पंचायत में 83 बोरी बंधान बनवाकर 24 स्टापडेमो के गेट लगाए गए. इसी तरह मो. बड़ोदिया जनपद पंचायत में 85 बोरी बंधान बनवाकर 25 स्टापडेमो के गेट लगाए गए. शाजापुर जनपद पंचायत में 79 बोरी बंधान बनवाकर 22 स्टापडेमो के गेट लगाए गए. शुजालपुर जनपद पंचायत में 52 बोरी बंधान बनवाकर 20 स्टापडेमो के गेट लगाए गए हैं.

130 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया

शुजालपुर, 9 नवंबर. भारतीय जनता पार्टी शुजालपुर नगर मंडल के पूर्व अध्यक्ष व कायस्थ महासभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. राजेश सक्सेना की स्मृति मे नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में सेवा सदन जांच केन्द्र के डॉ. जसवंत यादव एवं नेहा सोनी द्वारा 130 मरीजों का नेत्र परीक्षण एवं ब्लड प्रेशर, शुगर की जांच की गई, जिसमे 12 मरीजों का चश्मे का नम्बर निकालकर चश्मे की सलाह दी गई, 25 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयनित किए गए, जिन्हें 24 नवम्बर सोमवार को बस द्वारा सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय संत हिरदाराम नगर ले जाया जाएगा. जहां उनका मोतियाबिंद का ऑपरेशन कर उपचार किया जाएगा. इस दौरान कायस्थ महासभा के सदस्यगण, गणमान्य नागरिक आदि उपस्थित थे. नेत्र शिविर में सेवा सदन केन्द्र प्रभारी खुशीराम आचार्य, हरिनारायण परमार, राजेन्द्र कात्यानी, गंगाधर शर्मा, शशांक जैन का विशेष सहयोग रहा.

लक्ष्य के लिए लगातार संघर्षशील रहे

शुजालपुर, 9 नवंबर. जहां इच्छा शक्ति मजबूत हो वह कोई भी मंजिल असंभव नहीं, इस पंक्ति को एक बार फिर चरितार्थ किया आष्टा तहसील के छोटे से गांव दलपतपुरा के नरेन्द्रसिंह राजपूत ने जो कि दो दिवस पूर्व जारी हुए एमपीपीएससी की परीक्षा में उत्तीर्ण होकर डिप्टी कलेक्टर जैसे महत्वपूर्ण पद के लिए चयनित हुए. इस सफलता को प्राप्त करने वाले नरेन्द्रसिंह वर्तमान में जनपद पंचायत शुजालपुर में बीडीओं के पद पर पदस्थ है. नरेन्द्रसिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के शासकीय विद्यालय दलपतपुरा में की तथा कक्षा 6टी में उनका चयन नवोदय विद्यालय में हुआ. इसके उपरांत उन्होने इंदौर में उच्च शिक्षा के लिए तैयारी की और आईआईटी की परीक्षा दी. साथ ही उज्जैन के इंजीनियरिंग कॉलेज से सिविल में इंजीनियरिंग की. नरेन्द्रसिंह के पिता मनोहर सिंह राजपूत प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर पखनी में शिक्षक है और माताजी गृहणी है. नरेन्द्रसिंह ने चर्चा में बताया कि इंजीनियरिंग करने के बाद पीएससी की तैयारी 2021 में शुरू की, वे 4 बार पीएससी की प्री व मेंस में सफल हुए लेकिन साक्षात्कार में सफलता नहीं मिल सकी. लेकिन लक्ष्य के प्रति लगातार संघर्षशील रहे नरेन्द्रसिंह को पांचवी बार में सफलता मिल गई और डिप्टी कलेक्टर के रूप में चयनित हुए. नरेन्द्रसिंह ने चर्चा में कहा कि माता पिता के आशीर्वाद व पढ़ाई के प्रति समर्पण भाव के चलते यह सफलता हासिल हुई है. लक्ष्य के प्रति यदि निष्ठा के साथ मेहनत करते हुए प्रयास किए जाए तो सफलता जरूर मिलती है.

हुकुमसिंह के हुकुम से बनेगा या सिकरवार के वार से...?

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर कशमकश जारी

शाजापुर, 9 नवंबर. संभवत: कांग्रेस में यह पहला अवसर होगा, जब ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर इतनी कशमकश देखने को मिल रही है. जहां पूर्व विधायक हुकुमसिंह कराड़ा नईम कुरैशी को ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बनाना चाहते हैं, तो पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामवीरसिंह सिकरवार इरशाद खान के नाम पर अड़े हुए हैं. अब देखना है कि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष की ताजपोशी में हुकुमसिंह का हुकुम चलता है या फिर सिकरवार का वार..?

गौरतलब है कि शाजापुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर कशमकश और प्रतिष्ठा का मामला बन चुका है. पूर्व विधायक हुकुमसिंह कराड़ा हर हाल में नया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष चाहते हैं. उनके खेमे से नईम कुरैशी को ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए चुना गया है. उनके समर्थन में पत्र भी भोपाल मप्र कांग्रेस को सौंप दिया गया है. तो वहीं दूसरी ओर वर्तमान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इरशाद खान के समर्थन में रामवीरसिंह सिकरवार पूरी ताकत झोंक रहे हैं. हालांकि दोनों दावेदारों के बीच यदि सहमति नहीं बनती है, तो फिर किसी तीसरे का भी नाम ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए आ सकता है. हालांकि इसकी संभावना ना के बराबर है. नईम कुरैशी या इरशाद खान में से ही ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष की ताजपोशी होगी.

मुस्लिम ही होगा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष...

यह लगभग शत-प्रतिशत तय है कि शाजापुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष का पद अल्पसंख्यक कोटे को ही जाएगा. चाहे नईम कुरैशी बने या इरशाद खान बने या फिर शकील वारसी. लेकिन हर हाल में मुस्लिम कोटे से ही ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष की ताजपोशी होगी. इरशाद के पहले ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बहुसंख्यक ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रहे हैं. लेकिन नगर पालिका चुनाव में हार के बाद डेढ़ दशक पहले इरशाद खान को ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद से नवाजा गया था. 2010 में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया था इरशाद खान को, तब से लेकर अभी तक इरशाद खान ही इस पद पर काबिज हैं. उनके कार्यकाल में तीन विधानसभा चुनाव सम्पन्न हुए.

पहली बार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर कमशमश...

शाजापुर में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर अभी तक जितने भी अध्यक्ष रहे, वे दो दशक से कम नहीं रहे. काफी लंबे समय तक वीरेंद्र व्यास ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रहे. सीताराम पवैया भी एक बार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर काबिज रहे. रामू सर्राफ भी लंबे समय तक ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बने रहे. 15 साल से इरशाद खान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में काबिज हैं. अब देखना है कि इस बार नया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मिलता है या पुराना ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ही रिपीट होता है. देखना है कि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में जिसकी भी ताजपोशी होगी, उसकी क्या समयसीमा होगी.

दिग्विजय सिंह की भूमिका रहेगी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष में...

शाजापुर कांग्रेस की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की भूमिका से इनकार नहीं कर सकते हैं. पूर्व विधायक कराड़ा दिग्गी गुट के समर्थक माने जाते हैं. इसलिए हो सकता है कि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष में अप्रत्यक्ष रूप से दिग्विजय सिंह की भूमिका हो सकती है. हालांकि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ कांग्रेसी नेताओं ने इस संबंध में दिग्विजय सिंह से मुलाकात की थी, तो उन्होंने ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद में हस्तक्षेप को लेकर इनकार किया, लेकिन एक बात तय है कि नए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद की यदि ताजपोशी होती है, तो इसमें अप्रत्यक्ष रूप से दिग्विजय सिंह की भी हामी होगी.

कांग्रेस में अल्पसंख्यक के लिए आरक्षित है साइकिल के डंडे पर लगी छोटी सीट

पोलिटिकल इनसाइड
मनोज पुरोहित

साइकिल के डंडे पर एक छोटी सीट होती है, जिस पर रोते हुए बच्चे को बैठाकर चुप कराने का प्रयास किया जाता है. डंडे पर लगी इस छोटी सीट इसके अलावा और किसी काम नहीं आती है. कांग्रेस की राजनीति में भी कुछ इसी तरह से अल्पसंख्यकों को संतुष्ट करने के लिए ऐसे पद दिए जाते हैं, जिनका असल में कोई मायना नहीं, बस अल्पसंख्यक हल्ला न करे, इसके लिए साइकिल के डंडे पर लगी छोटी सीट पर बैठाकर उनका मन बहला दिया जाता है. कांग्रेस की राजनीति में अल्पसंख्यक नेताओं के लिए चार पद आरक्षित हैं. पार्षद का टिकट, नगर पालिका में यदि बहुमत है तो उपाध्यक्ष, संगठन में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, शहर कांग्रेस अध्यक्ष. ये पद अल्पसंख्यक के लिए लगभग आरक्षित जैसी स्थिति में ही हैं. न कभी जिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्पसंख्यक बनता है, न युवक कांग्रेस अध्यक्ष अल्पसंख्यक कोटे से होता है, विधायक के टिकट तो अल्पसंख्यक के लिए दूर की कोड़ी है. अब एक बार फिर साइकिल के डंडे पर लगी छोटी सीट की तरह ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रूपी पद पर अल्पसंख्यकों को बैठाने की तैयारी हो रही है. लेकिन इस छोटी सीट पर बैठने के लिए दावेदारों में बालहठ भी देखने को मिल रहा है. साइकिल के डंडे पर लगी सीट एक है, लेकिन बालहठ दो दावेदार कर रहे हैं. अब देखना यह है कि ये सीट किसको मिलती है और किसका बालहठ पूरा होता है. पद के नाम पर साइकिल के डंडे पर लगी छोटी सीट पर तो बालहठ कर रहे नेताओं को बैठा दिया जाएगा. साइकिल की मुख्य सीट पर बड़े नेता बैठकर हैंडल में लगी घंटी को समय-समय पर बजाकर अल्पसंख्यक नेताओं को चुप कराने का काम करते रहते हैं.

हर जगह गुटबाजी...

गुटबाजी केवल राजनीति के क्षेत्र तक सीमित नहीं है, सामाजिक, धार्मिक और कर्मचारियों में भी अभिशाप बन चुकी है. शाजापुर में कर्मचारियों के कई गुट हैं, तो अब सरकार की सेवा से निवृत्त हुए पेंशनर संघ भी दो अलग-अलग गुटों में बंट गया है. शाजापुर शहर में स्वयंभू अध्यक्ष बनने की संक्रामक बीमारी है. अध्यक्ष बनने की बीमारी से त्रस्त नेता हर क्षेत्र में देखने को मिल जाएंगे. कोई समाज का स्वयंभू अध्यक्ष बन जाता है, तो कोई धार्मिक क्षेत्र का, कोई समाज को सम्मान दिलाने के लिए अध्यक्ष की पगड़ी माथे पर रख लेता है, तो कोई धर्म के नाम पर अपनी झांकी सजा लेता है. अब पेंशनर संघ में भी दो अध्यक्ष के गुट हो गए हैं. हो सकता है कि आने वाले समय में तीसरा गुट भी देखने को मिले.

दो महाराज समर्थक को तो पद मिले, एक अभी भी आस में...

शाजापुर जिले में कांग्रेस छोड़कर सिंधिया समर्थक भाजपा में शामिल हुए थे, जिनमें दो महाराज भाजपा के समर्थकों को तो जिला और प्रदेश में संगठन में जगह मिल गई, लेकिन जिले के एक महाराज समर्थक पूर्व विधायक आज भी राजनीति में पुनर्वास की उम्मीद जगाए हुए हैं. हालांकि उन्हें जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने का सदाबहार झूलने वाला आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब लगता है कि उनकी आस उनका साथ छोड़ चुकी है. अब देखना है कि महाराज भाजपा के समर्थक पूर्व विधायक को भाजपा में क्या पद मिलता है...?

अंत में...

इमानदारी की बात करने वालों पर ये चंद लाइनें सटीक बैठती हैं - जो तवायफ के कोठे बंद कराने गए थे, वे सिक्कों की खनक सुनकर खुद मुजरा करने लग गए...

भीषण गर्मी में नहीं होगा जलसंकट, शहरवासियों को मिलेगी राहत

शुजालपुर में पेयजल सप्लाई के टैपिंग पॉइंट को मिली अनापत्ति

शुजालपुर, 9 नवंबर. उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार द्वारा समीक्षा बैठक में दिए निर्देशों के अनुपालन में, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण ने, नगर पालिका परिषद शुजालपुर को अमृत 2.0 योजना अंतर्गत पूर्वनिर्मित बामनघाट बांध शुजालपुर में स्थित इंटेकवेल के समीप से आईएसपी कालीसिंध चरण-2 उद्वहन सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की गुजर रही आरबीसी मुख्य पाइपलाइन के टेपिंग पाइंट से शुजालपुर को पेयजल उपलब्ध कराने की स्वीकृति व अनापत्ति दे दी है.

जारी आदेश के अनुसार नगर पालिका परिषद शुजालपुर को समय-समय पर जारी शासनादेश के अंतर्गत विभिन्न शर्तों पर यह अनापत्ति दी गई है. इसमें प्रस्तावित टैपिंग पॉइंट ग्राम पटलावदा जोड़ से बामनघाट बांध तक 4.09 किमी लंबी एमएसडीआई पाइपलाइन और मौसमी प्रतिबंध के अंतर्गत रबी की सिंचाई यानि नवंबर से फरवरी माह के दौरान शून्य क्यूमेक डिस्चार्ज के न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ तथा मार्च-अप्रैल के माह को प्राथमिकता में रखते हुए ग्रीष्म संकट के लिए आपात टैपिंग शामिल है. साथ ही तकनीकी अनुपालन के लिए एनवीडीए जल संसाधन विभाग के मानकों के अनुसार 900 एमएम डायमीटर एमएसडीआई पाइपलाइन का लेइंग डिस्चार्ज 0.957 क्यूमेक तक सीमित रहेगा एवं वेग 2 मीटर प्रति सेकंड से कम रखना होगा. इसके साथ ही निगरानी एवं रिपोर्टिंग की दृष्टि से, पेयजल सप्लाई के पहले एवं बाद में निरीक्षण रिपोर्ट संबंधित कार्यपालन यंत्री को सौंपनी होगी. फ्लो मीटर स्काडा प्रणाली अनिवार्य सिंचाई हेक्टेयर एमसीएम पर कोई विपरीत प्रभाव न हो, इसका भी ध्यान रखना होगा. ऊर्जा एवं रखरखाव पर होने वाला अतिरिक्त व्यय, नगर पालिका परिषद शुजालपुर को वहन करना होगा और अधिकतम आपूर्ति मात्रा 4.93 एमसीएम प्रतिवर्ष तक सीमित होगी.

सिंचाई के लिए भी मिलेगा पानी...

उल्लेखनीय है कि हाल ही में मंत्री परमार ने अपर मुख्य सचिव जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा की उपस्थिति में शुजालपुर में आयोजित बैठक में उक्त योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए थे, ताकि ग्रीष्मकाल में नागरिकों को जलसंकट का सामना नहीं करना पडे. मंत्री परमार ने कहा था कि कालीसिंध फेस टू से शुजालपुर क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम को पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी मिलेगा. इससे क्षेत्र में पेयजल संकट से मुक्ति तो मिलेगी ही और किसानों को खेती के लिए पर्याप्त पानी मिलने से क्षेत्र की उत्पादकता में भी वृद्धि होगी.

सीएम के मक्सी आगमन की तैयारियों पर हुई चर्चा

मक्सी, 9 नवंबर. पाटीदार धर्मशाला में गत दिवस भारतीय जनता पार्टी मक्सी मंडल की बैठक संपन्न हुई. बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ.रवि पांडे थे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में शाजापुर विधायक अरुण भीमावद उपस्थित रहे. कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष जुगल किशोर नाहर, जिला मंत्री उमेश टेलर, मक्सी मंडल अध्यक्ष गोविन्द गोलू पटेल, मंडल महामंत्री सुनील नानू पंड्या एवं मोडसिंह लोधी सहित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पार्षदगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. कार्यक्रम का शुभारंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन से हुआ.

वन्दे मातरम् का गायन किया

मोहन बड़ोदिया, 9 नवंबर. मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के अंतर्गत मोहन बड़ोदिया में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास क्षमता पाठ्यक्रम की कक्षा में रविवार दोपहर 12 बजे राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम का किया गया, जिसमें जिला समन्वयक विष्णु प्रसाद नागर एवं कृषि जगत प्रणाली वाटरशेड फॉर्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के डायरेक्टर दिनेश कुमार कलमोदिया, नवांकुर संस्था के अध्यक्ष रामकिशन राजपूत, कृपाल सिंह राजपूत, परामर्शदाता श्रीमती कामिनी शर्मा, श्रीमती सोना राजपूत, महेश सिसोदिया एवं बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू के छात्र उपस्थित रहे. कार्यक्रम में जिला समन्वयक ने वंदे मातरम का महत्व बताते हुए भारत के नवनिर्माण आजादी में उसके योगदान पर प्रकाश डाला.

न्यायिक जागरुकता मैराथन दौड़ से गूंजा शाजापुर न्यायालय परिसर

प्रधान जिला न्यायाधीश ने दिखाई हरी झंडी, न्याय तक सबकी पहुंच का संदेश लेकर दौड़ा जनसैलाब

शाजापुर, 9 नवंबर. राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर रविवार को जिला न्यायालय शाजापुर में जोश और उत्साह का माहौल देखने लायक था. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन में न्यायोत्सव : विधिक सेवा सप्ताह 9 से 14 नवम्बर के तहत न्यायिक जागरूकता मैराथन दौड का भव्य आयोजन किया गया.

सुबह 7.30 बजे प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आनंद कुमार तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया. दौड़ का शुभारंभ जिला न्यायालय परिसर से हुआ, जो बापू की कुटिया से होकर पुन: न्यायालय परिसर में सम्पन्न हुई. मैराथन में न्यायाधीशगण, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, अधिवक्ता, पत्रकार, पैरालीगल वालेंटियर्स, न्यायालयीन कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया.

विधिक सेवा प्रदर्शनी ने खींचा सबका ध्यान

मैराथन उपरांत न्यायालय परिसर में विधिक जागरूकता प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और कानूनी अधिकारों की जानकारी को रोचक ढंग से प्रदर्शित किया गया. प्रदर्शनी में फ्लैक्स, पोस्टर, पम्प्लेट्स और विधिक सेवा

सप्ताह के दौरान पूर्व में आयोजित निबंध, चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिताओं की रचनाएं भी प्रदर्शित की गई, जिन्हें उपस्थित आमजन ने खूब सराहा. प्रदर्शनी उपरांत जन साहस संस्था की टीम द्वारा बच्चों के विरुद्ध लैंगिक अपराधों एवं बाल श्रम, भिक्षावृत्ति जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर जनजागरूकता हेतु एक सशक्त नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया.

न्यायाधीशों की उपस्थिति से बढ़ा गौरव...

इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश अंजनी नंदन जोशी, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय अवधेश कुमार गुप्ता, जितेन्द्र कुमार पाराशर, दिनेश कुमार नोटिया, गिर्राज प्रसाद गर्ग, दिलीप सिंह, श्रीमती रंजीता राय सोलंकी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सुनयना श्रीवास्तव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती नमिता बौरासी, न्यायाधीशगण श्रीमती प्रेमलता जितेन्द्र गोयल, श्रीमती अनुष्का शर्मा, सतीश कुमार शुक्ला, श्रीमती जयश्री आर्यन मेहरा, धीरज आर्य, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती शिखा शर्मा, एजाज उद्दीन खान चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल तथा शुमन उनठ सहित न्यायालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

एक नजर में — मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपेंगे

6 सूत्रीय मांगों को लेकर पत्रकार संघ की रैली 11 को

शाजापुर, 9 नवंबर. मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देश पर संगठन द्वारा पत्रकार सुरक्षा कानून सहित अपनी अन्य 6 सूत्रीय मांगों के समर्थन में 11 नवंबर मंगलवार को जिला मुख्यालय शाजापुर पर वाहन रैली निकाली जाएगी. रैली के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपकर उन्हें उनके आश्वासन की याद दिलाई जाएगी.

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला महासचिव राजा राठौर एवं शाजापुर ब्लॉक अध्यक्ष व रैली प्रभारी हेमंत आर्य ने बताया कि वाहन रैली का नेतृत्व संघ के उज्जैन संभागीय अध्यक्ष मनोज जैन एवं शाजापुर जिला अध्यक्ष अभिषेक सक्सेना करेंगे. रैली 11 नवंबर मंगलवार को दोपहर 2 बजे बस स्टैंड ट्रैफिक प्वाइंट से प्रारंभ होगी और कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगी. जहां गत 26 मार्च को मुरैना में आयोजित संघ के महाअधिवेशन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा संघ की 6 सूत्रीय मांगों को लेकर शीघ्र ही कार्रवाई के आश्वासन के समर्थन में ज्ञापन सौंपा जाएगा. विदित रहे कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए शीघ्र कार्रवाई के आश्वासन के 9 माह में भी मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की 6 सूत्रीय जायज मांगों का अभी तक कोई निराकरण नहीं हुआ है. रैली में जिला मुख्यालय शाजापुर सहित शुजालपुर, कालपीपल, पोलायकलां, अकोदिया, मक्सी, गुलाना, मोहन बड़ोदिया, बेरछा ब्लॉक ईकाई के पत्रकार साथी भाग लेंगे.

इन मांगों को किया शामिल...

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की 6 सूत्रीय मांगों में प्रमुख रूप से पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किया जाए, भोपाल स्थित मालवीय नगर में पत्रकार भवन की भूमि पत्रकारों के कार्यालय हेतु वापस सौंपी जाए, पत्रकार पेंशन योजना में अधिमान्यता होने की शर्त हटाई जाए और उसे आजीवन देने का नियम बनाया जाए, मध्यप्रदेश के सभी जिला मुख्यालय पर पत्रकार भवन के लिए नि:शुल्क भूमि उपलब्ध कराई जाए, राज्य के पत्रकारों को टोल टैक्स से मुक्त करने के साथ पूरे मध्यप्रदेश में श्रमजीवी पत्रकार संघ के आईडी कार्ड को मान्यता प्रदान की जाए. साथ ही पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना को नि:शुल्क कर पत्रकारों को उसका लाभ दिया जाए प्रमुख हैं.

मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी तक पहुंची पुलिस

शुजालपुर, 9 नवंबर. स्वप्न सिटी कॉलोनी फेस 2 में लगभग दो माह पूर्व हुई चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों में से एक आरोपी को पकड़ने में मंडी पुलिस ने सफलता हासिल की है. पकड़े गए आरोपी से पुलिस ने चोरी का माल भी बरामद कर लिया है. बता दें स्वप्न सिटी कॉलोनी फेस 2 में 31 अगस्त की रात्रि में चंदरसिंह परमार के घर में ताला तोड़कर चोरी की वारदात हुई थी. पुलिस ने इस चोरी के मामले में राजगढ़ जिले के बोड़ा थाना अंतर्गत ग्राम गुलखेड़ी निवासी अरुड़ा उर्फ अरुदा पिता प्रकाश सिसोदिया को गिरफ्तार किया. जिसके पास से चोरी किए गए आभूषण सहित अन्य सामग्री कीमती 4 लाख 64 हजार बरामद की है.